दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
भोपाल, 12 अप्रैल 2025

सत्यकथा

संभल : 14 तांत्रिक कर रहे थे प्राइवेट पार्ट पर काले तिल वाली युवतियों का यौन शोषण

...पर काला तिल और 14 तांत्रिक

तंत्र क्रिया के लिए चुनी जाने वाली कुंवारी युवती के चयन का मापदण्ड काफी कठिन था। युवती को कई शर्तों वाला फार्म भरना होता था। मसलन उम्र 18 और हाईट साढे पांच फुट से कम न हो, वह वर्जिन हो, कभी गाय-सुअर का मांस न खाया हो इन शर्तों के अलावा युवती के प्राइवेट पार्ट पर काला तिल होना जरूरी था।

गिरोह तांत्रिक क्रिया के लिए कठिन परीक्षण के बाद लड़की का चयन करता था। लड़की से एक फार्म भरवाया जाता था जिसमें उसकी तमाम निजी जानकारी के अलावा प्राइवेट पार्ट पर काला तिल होने की जानकारी मांगी जाती थी। तिल प्राइवेट पार्ट पर है या उसके आसपास यह भी साफ-साफ फार्म में बताना पड़ता था। बताया जाता है कि गिरोह के तांत्रिक गुरूओं का ऐसा मानना है कि जिस युवती के प्राइवेट पार्ट पर काला तिल होता है वह अत्यधिक कामुक और ज्यादा सुख देने वाली होती है।

होली का त्यौहार शांति पूर्वक बीत जाने से उत्तरप्रदेश के संभल जिले के सभी थानों की पुलिस फिलहाल चैन की सांस ले रही थी। आखिर ले भी क्यों न, पिछले कई महीनों से संभल दो वर्गो के बीच वर्चस्व की लड़ाई का अखाड़ा जो बना हुआ था।

ऐसे में रंगपंचमी के दो दिन बाद 21 मार्च को जब जिले के धनारी थाना प्रभारी पुराने मामलों को हल करने की कवायद में लगे थे तभी पास के गांव से आए एक युवक राजपाल ने उन्हें अपनी जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की।

पुलिस के लिए उसे सुरक्षा देने से पहले खतरा किससे है यह जानना जरूरी था। सो इस बारे में पूछे जाने पर उसने चौंकाने वाली कहानी सुनाई। राजपाल ने बताया कि वह मां के पेट से उल्टा पैदा हुआ था। यानी गर्भ से उसके पैर पहले बाहर आए थे फिर बाकी का शरीर। उसने बताया कि गांवों में आज भी उल्टे पैदा होने वाले लोगों की बड़ी पूछ है। जिस किसी आदमी के कमर का दर्द जब लाख इलाज के बाद भी नहीं जाता तो ऐसा आदमी इतवार, बुधवार के दिन उल्टे पैदा होने वाले व्यक्ति से अपनी कमर पर लात मरवा लेता है जिससे उसका दर्द हमेशा के लिए ठीक हो जाता है।

बड़ी शर्त प्राइवेट पार्ट पर हो काला तिल

राजपाल भी 23 की उम्र तक सैकड़ों लोगों को दर्द दूर करने उन्हें

डॉ. देवेन्द्र साहू

लात मार चुका था। उसने बताया कि 11 मार्च को उसके पास लाखन, रिंकू, अजय और दुर्जन नाम के चार युवक आए जिसमें से एक ने बताया कि उसकी मां को कमर में चनका लग गया है। वह दर्द से परेशान है इसलिए वो चलकर उन्हें अपना पैर मार दे।

राजपाल ऐसे काम के लिए किसी को मना नहीं करता था इसलिए उनके साथ चला गया। जिसके बाद चारों उसे पहले एटा और फिर वहां से आगरा ले गए। आगरा में इन्हें दो आदमी मिले जो रात के समय राजपाल को सुनसान खेत में ले गए। वहां राजपाल को बताया कि चूंकि वो उल्टा पैदा हुआ है इसलिए वे लोग उसके साथ धन वर्षा करवाने तांत्रिक क्रिया करेंगे। जिसमें करोड़ों का धन बारिश के रूप में गिरेगा जिसमें से एक बड़ा हिस्सा उसे भी देगें। राजपाल ने मना किया लेकिन उन सब से उसे पकड़कर हाथ पैर बांधने के बाद निर्वस्त्र कर खेत में लिटा दिया। शेष पृष्ठ 4 पर...

हर दूसरी रात एक नई युवती से बलात्कार

जांच अधिकारी अनुकृति शर्मा के अनुसार इस गिरोह का नेट वर्क यूपी के 6 जिलों में फैला है। पकड़े गए 14 बदमाशों के मोबाइल में 200 से अधिक लड़कियों के अश्लील वीडियो मिले है। इनमें से 50 वीडियो जनवरी से लेकर 20-22 मार्च के बीच शूट किए गए हैं। यानी के 90 दिन में गिरोह ने 50 लड़कियों के साथ बलात्कार किया है। पीड़ित लड़कियों की जानकारी की जा रही है। अभी तक सिर्फ एक पीड़ित सामने आई है। हम लोगों को शक है कि ये नेटवर्क बड़े स्तर पर चल रहा है। लेकिन कैसे चल रहा है, ये पता लगाना है। इन सभी आरोपियों पर ऑर्गनाइज क्राइम, मानव तस्करी, यौन शोषण और वाइल्ड लाइफ एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस केस में किसी लड़की की मौत हुई है या नहीं, इसकी हम लोग जांच कर रहे हैं।

हरदा

प्रेम विवाह करने पर तुली नाबालिग बेटी की हत्या का चर्चित मामला

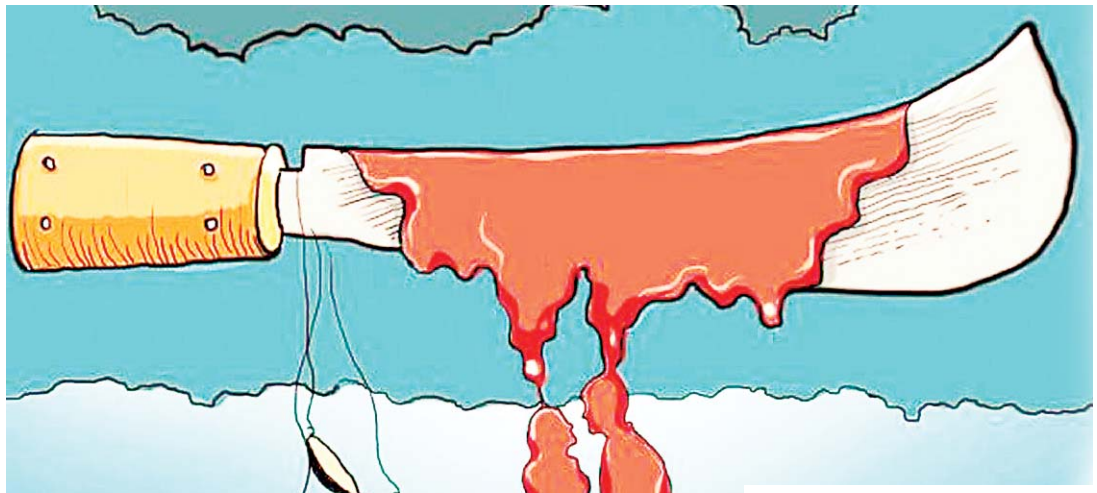

बोरे में विदाई

नर्मदा के बैक वाटर में मिली बोरा बंद किशोरी की लाश की शिनाख्त के बिना कातिलों तक पहुंचना पुलिस के लिए आसान नहीं था। इसलिए इलाके के एक-एक गांव की स्कैनिंग के दौरान जब एक किशोरी के लापता होने की बात सामने आई तो पूरा मामला खुलकर सामने आ गया।

30 मार्च की दोपहर का वक्त था जब हरदा के हरसूद थाना प्रभारी को इलाके से गुजरने वाली रेलवे लाइन पर स्थित चार खेड़ा ब्रिज केनीचे पानी में एक संदिग्ध बोरा तैरता हुआ पाए जाने की खबर मिली। खबर देने वाले ने बताया कि बोरा फट चुका है जिससे उसके अंदर से किसी लड़की का शव बाहर निकल आया है। सूचना के अनुसार संभावना तो यही थी कि हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के लिए नदी में फेंका गया है यह बात समझ में आते ही हरसूद थाना प्रभारी मौके पर जा पहुंचे।

मनोज कुमार राय,एसपी

लोगों की मदद से बोरा बाहर निकालकर उसे खोलने पर उसके अंदर किशोरी की बुरी तरह सड़ चुकी लाश देखकर पुलिस समझ गई कि शव कम से कम चार दिन पुराना हो सकता है। पुलिस ने मौके की बारीकी से जांच की जिसमें यह सामने आया कि जिस बोरे में लाश बंद की गई थी उसके कटी हुई गेहू की कुछ बालिया फंसी थी।

चूंकि आजकल खेतों में गेहूं की फसल की कटाई चल रही है इससे पुलिस ने अनुमान लगाया कि मृतका का संबंध किसी किसान परिवार से हो सकता है। इसलिए पुलिस ने आसपास के गांव के लोगों को बुलाकर शव की शिनाख्त करवाने की कोशिश की लेकिन कोई उस शव की पहचान नहीं कर सका।

इसलिए हरदा एसपी मनोज कुमार ने हरसूद थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम इस मामले के खुलासे के लिए गठित कर दी। चूंकि बैक वाटर में पानी का बहाव न के बराबर होता है इससे पुलिस ने अनुमान लगाया कि लाश को आसपास के ही किसी इलाके से फेंका गया होगा। इसलिए टीआई हरसूद ने अपने मुखबिरों को सक्रिय कर ऐसे परिवार का पता लगाने की जिम्मेदारी सौंप दी जिससे हाल ही में कोई किशोरी लापता हुई हो। क्योंकि पुलिस जिले भर के थानों से जानकारी जुटा चुकी थी लेकिन किसी भी नाबालिग के लापता होने की सूचना किसी भी थाने में दर्ज नहीं हुई थी।

इसलिए पुलिस को एक शक यह भी था कि संभव है किशोरी के शव को किसी दूर के स्थान से लाकर यहां फेंका गया हो। बहरहाल मुखबिर अपने काम में लगे थे जिसके चलते पुलिस का पता चला कि छीपाबड़ गांव में रहने वाले नगर परिषद के पंप ऑपरेटर लोकेश मीणा की 16 वर्षीय बेटी सेजल (बदला नाम) पिछले पांच सात दिन से लापता है एवं पिता ने अपनी बेटी की गुमशुदगी भी किसी थाने में दर्ज नहीं करवाई है और न ही उसकी खोजबीन कर रहा है।

इस जानकारी से पुलिस समझ गई कि नदी में मिला शव लोकेश की लापता किशोर बेटी का ही हो सकता है। दूसरे बेटी के लापता हो जाने पर उसने न तो थाने में रिपोर्ट की थी और न खुद उसे खोजने की कोशिश कर रहा था इससे लोकेश भी शक के दायरे में आ गया। इसलिए उसी रोज शाम को लोकेश को थाने बुलाकर उसकी किशोरी बेटी के बारे में पूछने पर उसने बताया कि वह अपनी बड़ी बहन की ससुराल देवास में हैं। पुलिस ने वीडियो कॉल पर बेटी से बात करवाने को कहा तो लोकेश बगले झांकने लगा। इसलिए जब पुलिस ने उसका मुंह खुलवाने के लिए सख्ती की तो वह टूट गया और पूरी कहानी सुना दी।

लड़ाई जाति-धर्म की नहीं बल्कि अमीरी-गरीबी की थी। इसलिए बेटी का हाथ समाज के एक गरीब परिवार के युवक के हाथ में सौंपने के बजाए झूठी शान के मारे पिता ने उसे डोली के बजाए बोरे में बंद कर विदा कर दिया।

नदी से शव बरामद करती पुलिस।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

छीपाबड़ गांव निवासी लोकेश छीपावडु नगर परिषद में पंप ऑपरेट के पद पर काम करता है। परिवार की चार संतानों में सेजल दूसरे नंबर की बेटी थी जबकि बड़ी बेटी की शादी देवास में हो चुकी है।

16 साल की सेजल बेहद सुंदर और चंचल होने के कारण गांव भर की चहेती थी तो वहीं दूसरी तरफ गांव के युवकों की उसके प्रति चाहत एक अलग किस्म की थी। सेजल जानती थी कि गांव के लड़के उस पर मरते हैं लेकिन वह किसी हो भाव नहीं देती थी। लेकिन कब तक नहीं देती आखिर एक समय खुद उसकी उम्र ही उसे ऐसा करने को मजबूर करने लगी जिसके चलते उसकी दोस्ती पड़ोस में रहने वाले अपने ही समाज के एक युवक से हो गई।

किशोर उम्र का प्यार शोर ज्यादा करता है इसलिए कुछ समय में ही गांव के लोगों को सेजल के प्रेम प्रसंग की जानकारी हो गई। सेजल के पिता को तो बेटी के इस प्रेम प्रसंग की जानकारी उस समय लगी जब गांव के कुछ लोगों ने सेजल को अपने प्रेमी के साथ मंदिर के पीछे इश्क करते रंगे हाथ पकड़ लिया।

पिता बेटी की इस हरकत से गुस्से से भर उठा इसलिए उसने घर आकर सेजल के साथ मारपीट की तो सेजल के कुर्ते के गले से एक मोबाइल फोन निकलकर बाहर आ गिरा। जाहिर सी बात थी कि यह मोबाइल सेजल के प्रेमी ने ही उसे चोरी छुपे दिया होगा। मोबाइल में लॉक था जिसे खोलने के लिए पिता ने कहा तो सेजल ने लॉक खोलने के बजाए फोन को पूरी ताकत से शेष पृष्ठ 7 पर...

प्रेमी को हो गया था शक

पिता ने दी प्यार की सजाः मृतका सेजल।

सेजल के लापता होने की जानकारी गांव में किसी को नहीं थी क्योंकि गांव में लोकेश ने बता रखा था कि वह बड़ी बहन के घर गई है। लेकिन सेजल का प्रेमी समझ गया था कि मामला कुछ और है क्योंकि वह जानता था कि सेजल कहीं भी होती उससे बात किए बिना नहीं रह सकती थी। इसलिए गांव में उसके प्रेमी ने ही सेजल के लापता हो जाने का शक फैलाया था जो पुलिस के मुखबिरों तक पहुंच जाने से न केवल शव की पहचान हो गई बल्कि सेजल के हत्यारे पिता और दादा को भी सलाखों के पीछे जाना पड़ा।

गरीब परिवार में नहीं करना चाहता था बेटी की शादी

आरोपी दादा व पिता।

आरोपी लोकेश ने बताया कि गांव में अपने से गरीब परिवार में बेटी देना शान के खिलाफ है। इसलिए वह बेटी की शादी एक ही समाज का होने के बाद भी उसके प्रेमी से नहीं करना चाहता था। लेकिन बेटी जिद पर अड़ी थी उसने किसी और लड़के से शादी करने पर ससुराल से भाग जाने की धमकी भी दी थी इसलिए इज्जत बचाने के लिए मैंने जो किया उसका जरा भी अफसोस नहीं है।

जावरा

काम सुख का लालच देकर हथियार स्मलिंग करवाने का अनोखा मामला

demo pic.

काम के बदले 'काम'

यौवन के जाल में फंसाकर रुपए पैसे वसूलने के बजाए अवैध हथियारों की तस्करी करवाने का यह मामला जावरा में सामने आया जहां राजस्थान निवासी दो सहेलियों ने एक युवक को यौन-सुख का लालच देकर अपराध की राह पर धकेल दिया।

वह 21 मार्च की दोपहर का समय था जब जावरा एसपी को उनके एक खास मुखबिर ने शहर से हो रही हथियार तस्करी की सूचना दी।

मामला बेहद गंभीर था इसलिए थोड़ी ही देर में एसपी अमित कुमार के निर्देश पर औद्योगिक क्षेत्र थाना टीआई बीडी जोशी और सीएसपी दुर्गेश आर्मो, एएसपी राजेश खाका के नेतृत्व में एक टीम लेकर जौरासी बड़ायला चौराहे पर स्थित बस स्टैंड की घेराबंदी करने पहुंच गए।

थोड़ी देर में मिली सूचना के अनुसार एक युवक हाथ में थैला लिए बस स्टैंड पर पहुंचकर एक कोने में आकर खड़ा हो गया। पुलिस टीम को भापने में देर नहीं लगी कि यही उनका टारगेट है इसलिए यात्री की तरह सामान लिए सादी वर्दी में एक पुलिसकर्मी उसके पास जाकर खड़ा हो गया। फिर थोड़ी देर बाद पुलिस वाले ने उससे पूछा, भैया जोधपुर की गाड़ी यहीं से मिलेगी क्या?

हां।

क्या आपको भी उसी बस से जाना है।

हां मुझे भी जोधपुर जाना है। उस युवक ने सादी वर्दी में यात्री बनकर आए पुलिस वाले से कहा तो पुलिसकर्मी ने जेब से जर्दा निकालकर कर मलते हुए दूर खड़ी पुलिस पार्टी को एक्शन लेने का इशारा कर दिया। जिससे चंद पल में ही पुलिस की एक टीम ने चारों तरफ से घेरा कसते हुए उसे दबोच लिया।

पुलिस को देखते ही उस युवक के होश उड़ गए। तभी सीएसपी श्री मार्को के निर्देश पर टीआई श्री जोशी ने युवक के बैग की तलाशी ली तो उसमें चार अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए जिनके बारे में वह कोई साफ जबाव नहीं दे पाया।

पकड़े गए युवक सज्जन सिंह पिता लक्ष्मीनारायण मेघवाल निवासी आबुसर का बास थाना झुंझुनू राजस्थान को विभिन्न धाराओं की तहत गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की गई तो सेक्साटार्शन की ऐसी चौंका देने वाली कहानी सामने आई जो अपने आप में अजूबी है।

राजस्थान के झुंझुनू जिले के रहने वाले युवक सज्जन उर्फ संजू मेघवाल को भी आजकल के अन्य युवकों की तरह सोशल मीडिया का शौक था। जिसके चलते कोई छह माह पहले उसकी मुलाकात सवाईमाधोपुर निवासी पूजा नाम की एक बेहद खूबसूरत युवती से हुई।

संजू, पूजा की खूबसूरती पर फिदा था इसलिए वह उससे जल्द से जल्द दोस्ती को गहराई में ले जाने की कोशिश करने लगा। लेकिन पूजा तो शायद फूंक-फूंक कर कदम रख रही थी। जिसके चलते एक समय ऐसा भी आया जब संजू को लगने लगा कि शायद पूजा उससे दोस्ती बड़ाने में रुचि नहीं ले रही है। इसलिए थक कर उसने भी पूजा से बात करना कम कर दिया तो अचानक की पूजा अपनी तरफ से उसमें रुचि दिखाने लगी। संजू फिर पूजा की तरफ लौट आया और एक रोज उसने पूजा के सामने अपना प्रणय निवेदन रख दिया। पूजा ने भी उसका प्यार स्वीकार कर लिया जिसके बाद दोनों की देर रात वीडियो कॉल पर बेहद उत्तेजक बातें होने लगी।

अमित कुमार, एसपी

इन हालात में संजू समझ गया कि पूजा उससे मिलने से मना नहीं करेगी। इसलिए एक रोज जब उसने पूजा से मिलने की इच्छा जाहिर की तो वह बोली मुझे तुमसे मिलने में कोई ऐतराज नहीं है लेकिन मेरी एक शर्त है कि मुझसे नजदीकी बनाने के बाद तुम्हें मेरी सहेली अन्नू के साथ भी नजदीकी बनाना पड़ेगी।

क्या मतलब?

साफ है कि तुम जितने मेरे नजदीक आओगे उतने की नजदीक मेरी सहेली के पास भी जाना होगा।

ऐसा क्यों?

अरे मेरी खास दोस्त है हम दोनों हमेशा सेक्स को बांटकर इंज्वाय करते हैं। उसका कोई दोस्त बनता है तो वह उसकी सर्विस मुझे देती है और मैं अपने दोस्त की उसको। बोलो मंजूर है।

घटना का खुलासा करते पुलिस आधिकारी।

.....

जूली को हासिल करने से पहले तुम्हें जूली का एक काम करना पड़ेगा, जूली से कातिल मुस्कान बिखेरते हुए वासना की आग में जल रहे सज्जन से कहा तो सज्जन ने जूली का बताया काम करने हामी भर दी।

.....

नहीं यार मैं तुमसे प्यार करता हूं। संजू ने पूजा से कहा तो वह जोर से हंसते हुए बोली सभी लड़के पहले ऐसा कहते हैं। लेकिन हम सहेलियां जानते हैं कि मर्द को टेस्ट बदलने की बात सोचकर ही मुंह में पानी आ जाता है। इसलिए शर्म न करो, मंजूर है तो बोलो और अगले हफ्ते ही मुझसे मिलने आ जाओ।

बात सही थी एक के साथ एक की फ्री स्कीम किसे पसंद नहीं होती। फिर ऐसे मामले में मर्द का मन तो बिना सोचे समझे राजी हो जाता है। इसलिए पूजा की शर्त स्वीकार अगले हफ्ते संजू सवाईमाधोपुर जाकर पूजा से मिला। पहली ही मुलाकात में पूजा ने उसे निराश नहीं किया और उसे हर तरह का सुख देने के बाद अपनी सहेली अन्नू का नंबर देकर उससे बात करने को कहा। पूजा ने यह भी बताया कि वो अन्नू का संजू का नंबर पहले की दे चुकी है।

राजेश खाखा एएसपी

उसी दिन शाम को संजू ने अन्नू को फोन किया तो अन्नू ने फोन रिसीव कर उसे वीडियो कॉल पर आने का कहकर अपनी तरफ से वीडियो कॉल किया तो अन्नू की सुदंरता देखकर ही संजू पागल हो गया। अन्नू, पूजा से कहीं ज्यादा सुंदर और सेक्सी थी। पहले कॉल पर ही उनके बीच खुलकर बातें हुई जिसमें अन्नू ने उसे यह भी बताया कि वो जल्द ही उसे मिलने के लिए फोन करेगी।

संजू ने पुलिस को बताया कि इसके बाद 15 दिन तक अन्नू का फोन नहीं आया। इस बीच उसकी पूजा से कई बार फोन पर बात हुई लेकिन उससे अन्नू के बारे में बात करने की हिम्मत नहीं हुई। फिर एक दिन अन्नू का फोन आया और उसने मुझे मिलने आने के लिए कहते हुए हिदायत भी दी कि केवल मिलने बुला रही हूं ज्यादा फितूर अपने दिमाग में लेकर मत आना। मैं समझ गया कि अन्नू का मतलब क्या है। लेकिन उसकी सुंदरता मुझे पागल किए जा रही थी इसलिए उससे मिलने पहुंचा तो अन्नू कुछ देर तक तो दूर बैठकर बात करती रही फिर मुझे अपने बेडरूम में ले गई। इस दौरान कुछ देर के बाद जब मैंने आगे बढ़ने की कोशिश की तो उसने यह कहते हुए रोक दिया कि इससे आगे मुझे हासिल करने के लिए तुम्हें मेरा एक काम करना पड़ेगा। मेरा काम कर दोगे तो मैं भी मिलूंगी और पैसा भी मिलेगा।

ऐसा कौन सा काम है? अन्नू की बात सुनकर संजू ने पूछा तो उसने नाराज होते हुए कहा कि वैसे तो मर्द लड़कियों के लिए आसमान के तारे तोड़कर लाने की बातें करते हैं लेकिन एक काम कहो तो दुनिया भर के सवाल करते हैं। लेकिन मैं छुपाऊंगी नहीं मेरे काम के लिए तुम्हें उज्जैन जाना होगा वहां मेरा दोस्त तुम्हें एक सामान देगा जिसे तुम्हें जोधपुर पहुंचाना है।

क्या सामान देगा?

शेष पृष्ठ 7 पर...

यौन सुख के बदले तस्करी करवाने का पहला मामला

आरोपी सज्जन सिंह उर्फ संजू।

सूत्रों के अनुसार सेक्सटार्शन में फंसाकर अब तक लोगों को ठगने के मामले सामने आए हैं। यौन सुख के बदले हथियारों की तस्करी करवाने का यह पहला मामला है जो सामने आया है। ऐसे मामलों में गिरोह लड़कियों की मदद से तस्करी के काम में नए चेहरों का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि माल सुरक्षित भेजा जा सके।

चार आरोपियों की तलाश

एसपी जावरा का कहना है कि इस मामले में सवाईमोधापुर निवासी दो युवतियों के अलावा उज्जैन में युवक को हथियार सौंपने वाले दो युवकों की पुलिस तलाश कर रही है जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

...पृष्ठ 1 से जारी

संभल (उत्तर प्रदेश) का तंत्र-मंत्र के नाम पर यौन शोषण का चर्चित मामला

...पर काला तिल

तांत्रिकों के पास से बरामद तथाकथित रूप से तंत्र-मंत्र में काम आने वाला दो मुंह का सांप तथा 20 नाखून वाला कछुआ।

जिसके बाद एक व्यक्ति उसके चारों तरफ अजीब सी आवाजें निकालकर पूजा करने लगा। राजपाल ने पुलिस को बताया कि मैं समझ गया कि ये लोग मेरी बली देने वाले हैं। संयोग से उन लोगों ने मेरा मुंह नहीं बांधा था जिससे मैंने जोर-जोर से बचाओ-बचाओ चिल्लाना शुरू कर दिया। किस्मत से आसपास खेतों में कटाई कर रहे किसानों ने मेरी आवाज सुनकर शोर मचाना शुरू कर दिया जिससे वे सभी लोग पूजा छोड़कर भाग गए जिसके बाद किसानों ने मौके पर आकर मुझे आजाद किया।

पुलिस समझ गई कि मामला तंत्र-मंत्र और नर बली से जुड़ा है। इसलिए राजपाल की रिपोर्ट दर्ज कर अगले की दिन मोबाइल नंबर की लोकेशन के आधार पर उन चार युवकों, लाखन, रिंकू, अजय और दुर्जन को गिरफ्तार कर लिया जो मां की कमर पर लात लगवाने के बहाने राजपाल को साथ लेकर गए थे।

पुलिस अब तक मामले को सामान्य अंधविश्वास का समझ रही थी। लेकिन जब पकड़े गए युवकों ने बताया कि उनको उल्टा पैदा हुआ आदमी लाने के लिए पांच लाख रुपए देने का लालच आगरा में यमुना ब्रिज रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर रघुवीर सिंह और डीएलए यूनिवर्सिटी में लाइब्रेरी एण्ड इंफॉर्मेशन विभाग के प्रोफेसर डीएन त्रिपाठी ने दिया था तो पुलिस चौंक कई। क्योंकि पकड़े गए युवकों ने बताया कि स्टेशन मॉस्टर और प्रोफेसर दोनों बड़े तांत्रिक है और उस रोज खेत में पूजा भी ये दोनों की कर रहे थे।

पढ़े लिखे और बड़े पदों पर कार्यरत लोगों को तांत्रिक क्रिया में भाग लेते पुलिस ने पहली बार सुना था। इसलिए मामला एसपी संभल कृष्ण कुमार विश्नाई की जानकारी में आने पर उन्होंने मामले में जांच की जिम्मेदारी एएसपी अनुकृति शर्मा को सौंप दी। पुलिस ने रघुवीर सिंह और डीएन त्रिपाठी को गिरफ्तार कर उनके घर और मोबाइल की तलाशी ली तो पुलिस की आंखें फटी की फटी रह गई। इन दोनों के मोबाइल में दर्जनों लड़कियों की तस्वीरें थे जिनमें लड़कियां अपने हाथों में कैदियों की तरह एक पर्चा पकड़े थी जिस पर उनकी पूरी व्यक्तिगत निजी जानकारी लिखी थी। इसके अलावा इनके मोबाइल में 42 लड़कियों के साथ तांत्रिक क्रिया करते हुए वीडियो मिले। इन वीडियो में सभी लड़कियां पूरी तरह निर्वस्त्र थी। आसपास तंत्र-मंत्र की पूजा पाठ का सामान फैला था। वीडियो में तांत्रिक पहले युवतियों के प्राइवेट पार्ट पर चारों और सिंदूर का लेप का फूल आदि चढ़ाकर पूजन करने के बाद उनके साथ बुरी तरह से यौन संबंध बना रहे थे। मामला बेहद गंभीर मोड़ ले चुका था। इसलिए पुलिस ने आरोपियों के घर की तलाशी ली जिसमें तंत्र क्रिया में काम आने वाला कछुआ, दो मुंह वाला सांप और कई पुराने सिक्के तथा हड्डियां आदि मिली।

पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की तो पूरा का पूरा गिरोह उजागर हो गया जिसमें दर्जनों तांत्रिक और उनके चेले शामिल थे। इसलिए पुलिस ने तुंरत ही वाराणसी, एटा, मथुरा, फिरोजाबाद आदि में छापामारी कर कुल चौदह आरोपी, रिंकू, अजब सिंह, दुर्जन, संतोष, रघुवीर, आकाश, कप्तान सिंह,संजय चौहान, डीएन त्रिपाठी, मोनू और लाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जिनमें से संजय सिंह मथुरा में पातंजली का स्टोर चलाता है।

पकड़े जाने पर सभी खुद को निर्दोष बताते रहे लेकिन जब उनके मोबाइल की जांच की गई तो सभी आरोपियों के मोबाइल में कई लड़कियों की जानकारी और फोटो मिले। इससे यह बात भी समझ में आ गई कि गिरोह आपस में गुप्त संकेतों में बात करता था। इसके लिए पहले ऐसा आदमी खोजा जाता था जो 25-50 लाख रुपए खर्च कर 35 करोड़ रुपए कमाना चाहता हो। इसके लिए गिरोह सोशल मीडिया और अखबारों में परेशानी से छुटकारा दिलाने लिए पूजा-पाठ का विज्ञापन करता था। इन विज्ञापन को पढ़कर जो लोग इनसे संपर्क करते थे उनमें से चुने हुए ग्राहकों को ये धन वर्षा का लालच देते थे। जो ग्राहक राजी हो जाता उससे पूजा के लिए प्राइवेट पार्ट पर काला तिल होने वाली कुंवारी लड़की, बीस नाखून वाला कछुआ जैसी मांग करते थे। कछुआ और सांप तो पैसों के बदले में गिरोह खुद उपलब्ध करवा देता था। लेकिन सभी शर्त पूरी करने वाली लड़की की व्यवस्था प्रायः ग्राहक को करना पड़ती थी।

पुलिस ने वीडियो के आधार पर कुछ युवतियों के परिजनों से संपर्क किया। जिनमें से बमुश्किल तीन परिवार बयान दर्ज करवाने और रिपोर्ट करने राजी हुए। जिसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

गिरोह कैसे पुलिस की गिरफ्त में आया यह तो पहले की साफ हो चुका है। अब हम बताते हैं कि आखिर गिरोह पिछले पांच सात साल से छह जिलों में कैसे इतने संगठित रूप से काम करते हुए सैकड़ों लड़कियों के साथ उनके प्राइवेट पार्ट की पूजा करने के नाम पर बलात्कार करने बाद भी सुरक्षित रहा।

इस मामले में पुलिस का कहना है कि पूजा के लिए गिरोह बेहद गरीब परिवार की सुंदर लड़कियों का चयन करता था। चूंकि गिरोह में स्टेशन मास्टर और कॉलेज के प्रोफेसर जैसे लोग शामिल थे इसलिए लड़कियों के गरीब माता-पिता आसानी से गिरोह पर भरोसा कर लेते थे। इसके लिए उन्हें पांच से दस लाख रुपया देने का लालच भी दिया जाता था। जो आदमी पूजा करवाने का खर्च उठाता था उसे पूजा सफल होने पर कम से कम 35 करोड़ रुपयों की बारिश होने का भरोसा दिलाया जाता था। अपितु पुलिस ने माना कि आरोपियों के अनुसार रुपयों की बारिश आज तक नहीं हुई लेकिन उन्हें भरोसा था कि एक न एक दिन पैसा जरूर मिलेगा। इधर काम न होने पर गिरोह पूजा करवाने वाले आदमी को बताता था कि वो जो लड़की पूजा के लिए लाया है उसने अपनी जानकारी देने में झूठ बोला है। वो कुंवारी नहीं थी पहले भी किसी युवक से संबंध बना चुकी है इसलिए पूजा सफल नहीं हुई।

चूंकि पूजा करवाने वाला व्यक्ति स्वयं भी इस गैर कानूनी काम में शामिल होता था इसलिए लाखों लुटाने के बाद भी चुपचाप घर बैठ जाता था। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान इस गिरोह का पूरा सच इस प्रकार सामने आया।

पढ़े-लिखे तथाकथित तांत्रिकों को यह गिरोह धोखेबाज से ज्यादा अंधविश्वासी है। इन लोगों का विश्वास था कि एक न एक रोज धन बारिश अवश्य होगी। गिरोह में कई तांत्रिक शामिल है जिन्हें उनकी तांत्रिक शक्ति के हिसाब से पूजा में उपयोग किया जाता है। कुछ आरोपी इनसे तंत्र-मंत्र की शिक्षा ले रहे हैं ऐसे लोग पूजा में सहयोग करते थे जबकि कुछ आरोपी केवल धन लाभ के लालच में जुड़े थे।

पूजा में बीस नाखून वाला कछुआ और दो मुंह वाला सांप आरोपियों के पास पहले से था जिनके बदले में वे ग्राहक से पैसा लेकर उसे उपलब्ध करवा देते थे।

पूजा के लिए ऐसी लड़की जिसका कौमार्य भंग न हुआ हो, की तलाश पूरा गिरोह मिलकर करता था। पूजा के लिए लड़की के चयन की शर्तें बेहद कठिन थी जिनका पूरा होना जरूरी था।

इसके लिए गिरोह के सदस्य पहले तो ऐसे परिवार की तलाश करते थे जिसमें उनके मतलब की लड़की हो। परिवार की तलाश करने के बाद प्रोफेसर डीएन त्रिपाठी और स्टेशन मास्टर रघुवीर सिंह परिवार से संपर्क कर मुखिया को यह भरोसा दिलाता था कि उनकी बेटी बहुत भाग्यवान है अगर वे उसे पूजा में शामिल करने की अनुमति देते हैं तो परिवार करोड़पति हो जाएगा।

चूंकि परिवार से निवेदन करने वाले लोग बड़े-बड़े पदों पर होते जिससे गरीब माता-पिता आसानी से उन पर भरोसा कर लेते। फिर किसी भी लड़की के माता पिता को यह कभी नहीं बताया जाता था कि पूजा के दौरान लड़की को निर्वस्त्र कर उसके प्राइवेट पार्ट की पूजा की जावेगी। इसलिए कई बार परिवार पुण्य के नाम पर तो कई बार पैसों के लालच में आकर परिवार पूजा के लिए अपनी लड़की देने राजी हो जाता था।

परिवार के राजी हो जाने के बाद लड़की को एक फार्म भरने के लिए दिया जाता था। जिसमें उसका नाम, गोत्र, उम्र, मासिक धर्म की पिछली तारीख, ऊंचाई, वजन आदि की जानकारी मांगी जाती थी। चयन की शर्ते कठिन थी मसलन लड़की की लंबाई पांच फुट पांच इंच से कम नहीं होना चाहिए। शरीर पर कोई चोट या कट का निशान न हो और न ही किसी तरह का टेटू बना हो। लड़की का कोई ऑपरेशन न हुआ और न ही उसने कभी गाय या सुअर का मांस खाया हो।

इसके अलावा दो मुख्य शर्ते थी जिनका पूरा-पूरा पालन होना जरूरी होता था। पहली यह कि लड़की का कौमार्य खंडित न हो यानी उसने कभी किसी युवक से संबंध न बनाए हो और न ही किसी अन्य साधन या कारण से कौमार्य भंग हुआ हो। दूसरी जरूरी शर्त यह थी कि युवती के प्राइवेट पार्ट पर काला तिल होना जरूरी था। इस शर्त में कुछ छुट थी जैसे काला तिल ठीक प्राइवेट पार्ट पर न होकर उसके आसपास हो तो तिल की प्राइवेट पार्ट से सेंटीमीटर में दूरी की जानकारी फार्म में भरना जरूरी थी। फार्म में लड़की का फोटो और नीचे उसके दस्तखत भी करना होते थे।

तांत्रिक क्रिया करने वाला बदमाश युवती की फोटो तथा अन्य विवरण देखकर पूजा के लिए लड़की और तारीख का चयन करने के बाद तय तारीख पर लड़की को उसके घर से लाकर तांत्रिक के कमरे में पहुंचा दिया जाता था। बताया जाता है कि फार्म में लड़की द्वारा दी गई पिछले मासिक धर्म शुरू होने की तारीख के आधार पर तांत्रिक दिनों का ऐसा हिसाब लगाकर पूजा की तारीख तय करता था ताकि उन तारीख में युवती के संग संभोग करने से उसे गर्भ न ठहरे। दूसरे प्राइवेट पार्ट पर तिल होने की शर्त के पीछे बदमाशों की यह सोच थी कि जिस युवती को प्राइवेट पार्ट पर काला तिल होता है वह संभोग की शौकीन और अधिक सुख देने वाली होती है।

कमरे में जाने के बाद केवल तांत्रिक और युवती को छोड़कर बाकी लोग बाहर निकल आते थे। जिसके बाद तांत्रिक युवती द्वारा भरे गए फार्म के अनुसार उसकी लंबाई आदि की जांच करने का नाटक करने के बाद प्राइवेट पार्ट पर तिल देखने के बहाने लड़की के सारे कपड़े निकलवाने के बाद उसे निर्वस्त्र कर दीपक की रोशनी में तिल देखने के बहाने उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने से पहले लड़की को नशीला प्रसाद खिला दिया जाता था। जिसके कारण युवती बजाए तांत्रिक का विरोध करने के नशे के कारण उसका सहयोग करने लगती जिसका फायदा उठाकर तांत्रिक प्राइवेट पार्ट की पूजा करने के बाद भोग के नाम पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने लगता। जबकि बाहर खड़ा एक आदमी इस बलात्कार का वीडियो मोबाइल में बना लेता था ताकि घटना के बाद अगर लड़की या उसके परिवार वाले विरोध करे तो उन्हें वीडियो दिखाकर डराया जा सके। जांच में सामने आया है कि गरीब परिवार की लड़कियां कई बार तो इस बलात्कार को पूजा का अंग समझकर बाहर निकलकर घर वालों को कुछ नहीं बताती।

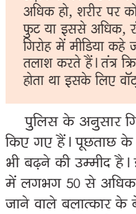

पूजा के बाद धन वर्षा न होने पर तांत्रिक द्वारा लड़की में कमी बताकर मामला शांत कर दिया जाता था। धन वर्षा के लालच में पूजा करवाने वाला व्यक्ति ही लड़की को राजी करके लाता था इसलिए वह इस डर से पुलिस में भी नहीं जाता था कि लड़की के द्वारा बलात्कार की बात बता देने पर वह खुद भी आरोपी बनेगा।

पुलिस के अनुसार गिरोह के 14 सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। पूछताछ के बाद आरोपियों की संख्या और भी बढ़ने की उम्मीद है। इन सभी सदस्यों के मोबाइल में लगभग 50 से अधिक तंत्र क्रिया के दौरान किए जाने वाले बलात्कार के बेहद अश्लील वीडियो और लगभग 200 से अधिक लड़कियों के बायोडाटा मिले हैं। इसलिए पुलिस को शक है कि गिरोह ने सैकड़ों लड़कियों को अपना शिकार बनाया है जिसकी जांच की जा रही है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

हैविचुअल बताकर डराते थे लड़की को

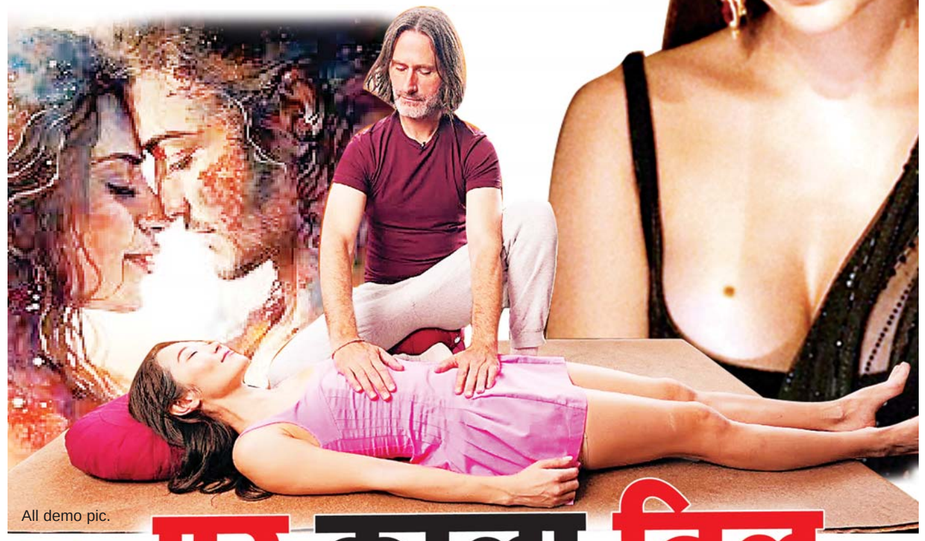

जांच में सामने आया है कि लड़की को फार्म में अपने वर्जिन होने की जानकारी देना होती थी। पूजा के दौरान बलात्कार के बाद तांत्रिक लड़की को यह कहकर डराता था कि उसने वर्जिन होने की बात झूठ कही है। वह पहले भी कई मर्दों के साथ सेक्स कर चुकी है जिससे उनकी पूजा सफल नहीं हुई इसलिए बलात्कार की बात अगर उसने अपने परिवार को बताई तो वो परिवार वालों को बता देगें कि उनकी बेटी पहले से ही मर्दो का संग करती रही है। ऐसे में भले की युवती वर्जिन रही हो वह घर वालों द्वारा शक किए जाने के डर से बाहर आकर किसी को कुछ नहीं कहती थी। इसलिए एक परिवार द्वारा अपनी बेटी को तीन बार पूजा के लिए गिरोह को सौंपने की जानकारी सामने आई है।

आरोपियों के मोबाईल में प्रोफाइल सहित कैद लड़कियों के फोटों।

लोगों को चूना लगाने और युवतियों का यौन शोषण करने वाले तांत्रिकों में एक यमुना ब्रिज रेलवे स्टेशन का स्टेशन मास्टर, दूसरा जीएलए यूनिवर्सिटी में लाइब्रेरी एण्ड इंफॉर्मेशन विभाग में प्रोफेसर है इसलिए लोग इन पढ़े-लिखे तांत्रिकों के गिरोह पर आसानी से भरोसा कर लेते थे।

All demo pic.

तंत्र क्रिया के लिए चुनी गई युवती के परिवार को पूजा पूरी होने पर पांच लाख रुपए देने का लालच दिया जाता था। पूजा के दौरान प्राइवेट पार्ट पर काला तिल दिखाने के नाम पर युवती को निर्वस्त्र करने के बाद उसके प्राइवेट पार्ट की पूजा करने के बहाने उसके संग बलात्कार कर वीडियो भी बना लिया जाता था।

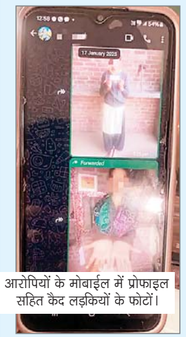

लड़की जितनी सुंदर होगी उतनी अधिक होगी धन की बारिश

गिरोह का कहना है कि पूजा में उपयोग की जाने वाली लड़की की सुंदरता के अनुसार पैसे की बारिश होती है। 20 नाखून वाले कछुए, 2 मुंह वाले सांप पर तंत्र क्रिया करने पर लाखों की धन वर्षा होती है। लड़के पर क्रिया करवाने पर थोड़ा पैसा और बढ़ जाता है, लेकिन लड़की पर ये क्रिया करवाने पर करोड़ों रुपए मिलते हैं। इस दावे की वजह से लड़की की डिमांड ज्यादा होती है। गुरु, तंत्र क्रिया करने वाले और पूजा के दौरान लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाने वाले को गुरू कहा जाता है।

तांत्रिको के झांसे में आकर आवदेन के साथ फोटों में अपना प्रोफाइल दिखाती पीड़ित युवतियां। (इस तरह के दो सौ से अधिक फोटों पुलिस ने आरोपियों से बरामद किये है।)

कृष्ण कुमार विश्नोई
एसपी संभल

अनुकृति शर्मा
एएसपी

पुलिस गिरफ्त में आरोपी तांत्रिक और उनके चेले।

ताकि न गर्भ ठहरे और न पॉक्सो की कार्रवाई हो

गिरोह बहुत ही शातिर तरीके से तंत्र क्रिया के लिए लड़कियों का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखता था कि अगर लड़की बलात्कार के बाद थाने जाती भी है तो पॉक्सो जैसा एक्ट लागू न हो। इसलिए पूजा के लिए लड़की की उम्र 18 साल से अधिक होना जरूरी थी जिसका प्रमाण भी लिया जाता था। दूसरे फार्म में युवती से उसके पिछले मासिक धर्म के शुरू होने की तारीख पूछी जाती थी। इसके आधार पर युवती को ऐसी तारीख में पूजा के लिए बुलाया जाता था जिनमें उसके साथ संभोग से गर्भ ठहरने की संभावना न हो।

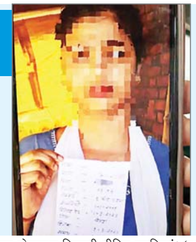

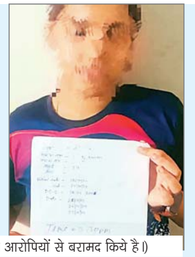

गिरोह कोड वर्ड में करता था बात

गिरोह के सदस्य बातचीत में कोड वर्ड का उपयोग करते थे। मसलन आर्टिकल का मतलब पूजा में लाई जाने वाली लड़की, पूजा का खर्च उठाने वाला ग्राहक, 20 नाखून वाला कछुआ, 2 मुंह वाला सांप, उल्टा पैदा होने वाले लड़के और लड़कियां आदि। गिरोह केवल उन लड़कियों को टारगेट करते थे, जिनकी उम्र 18 से अधिक हो, शरीर पर कोई दाग न हो, हाईट साढे पांच फुट या इससे अधिक, रंग साफ हो और कुंवारी हों। गिरोह में मीडिया कहे जाने वाले लोग आर्टिकल की तलाश करते हैं। तंत्र क्रिया का गांव-गांव प्रचार-प्रसार होता था इसके लिए वॉट्सऐप पर वीडियो भेजे जाते थे।

इंदौर

भुक्त भोगी युवती ने दिलाया यौन शोषित किशोरी को न्याय

अहसास -ए-दर्द

थाने में मौसी के साथ न्याय मांगने आई गर्भवती किशोरी को शायद ही न्याय मिलता अगर उस समय थाने में एक ऐसी युवती मौजूद न होती जो खुद भी किशोर उम्र में अपने मालिक की वासना का शिकार बन चुकी थी। युवती की किशोर उम्र में वासना के बार से होने वाले दर्द का अहसास था इसलिए उसने ....

सितंबर महीने के पहले हफ्ते की बात है जब इंदौर चाईल्ड लाइन के पास पहुंचे एक गुमनाम फोन पर अज्ञात युवती ने इलाके में बलात्कार की शिकार बनी एक नाबालिग को गर्भपात के लिए चुपचाप मुंबई भेजे जाने की खबर दी।

मामला गंभीर था इसलिए तत्कालीन चाईल्ड लाइन कोऑर्डिनेटर राहुल गाठले ने तुरंत ही संस्था के दूसरे पदाधिकारियों को मामले की जानकारी देकर मुंबई चाईल्ड लाइन से संपर्क कर उनसे मदद मांगी। जिससे मुंबई चाईल्ड लाईन में भीड़ से भरी माया नगरी की अस्पतालों में इंदौर निवासी अपनी मौसी के साथ गर्भ में पल रहे मालिक के बेटे का पाप खत्म करवाने आई रानी (बदला नाम) को खोज लिया।

चाईल्ड लाईन के अधिकारियों ने रानी की मौसी से बात की तो वह टूट गई। उसका कहना था कि इंदौर में उसने अपनी अनाथ भतीजी के लिए न्याय दिलाने की काफी कोशिश की लेकिन किसी ने उसकी एक नहीं सुनी। जिसके चलते थक हार कर उसे बलात्कारी युवक की बात मानकर भतीजी को बदनामी से बचाने के लिए गर्भपात करवाने मुंबई आना पड़ा था। रानी और उसकी मौसी दोनों ने ही आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की इच्छा जताई जिसके चलते मुंबई चाईल्ड लाइन ने एक टीम के संग रानी और उसकी मौसी को इंदौर चाईल्ड लाइन के पास भेज दिया।

इंदौर चाईल्ड लाइन की मदद से 7 सितंबर को इंदौर जिला अदालत में रानी ने न्यायाधीश के सामने 164 के बयान दर्ज करवाए जिसके बाद उसी दिन शाम को राऊ थाना इलाके में रहने वाले 22 वर्षीय युवक नयन तिवारी(बदला नाम) को बलात्कार के अलावा पॉस्को एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके बाद एक मासूम नाबालिग के यौन शोषण की कहानी इस प्रकार सामने आई।

छह सौ रुपया लो गर्भपात करा लेना

रानी की मौसी के अनुसार जब उन्होंने रानी की हालत देखकर विवाद किया तो नयन का कहना था कि छह सौ रुपया ले जाओ दवा खिलाकर गर्भपात

करवा देना। रानी के माता-पिता दोनों ही रानी को मौसी के पास छोड़कर महाराष्ट्र चले गए थे जहां उन दोनों ने ही दूसरी शादी कर ली। तीन साल की उम्र से ही रानी मौसी के साथ रह रही है।

रानी जब तीन साल की थी तभी आपस में दिन रात झगड़ने वाले उसके माता-पिता रानी को मौसी के पास छोड़कर अलग रास्ते चले गए थे। बाद में रानी की मां से दूसरे पुरुष से और पिता ने दूसरी महिला से शादी कर अपने नए घर बसा लिए मगर बेचारी रानी की खबर किसी ने नहीं ली।

मौसी ने ही रानी को बेटी की तरह पाला जो राऊ थाना इलाके में रहने वाले रईसों के घर झाड़ू पोंछा का काम करती थी। रानी की मौसी इस कॉलोनी में बने जिसे बंगले में काम करती थी उसके मालिक दूसरे प्रदेश में रहते हैं। इसलिए इंदौर के इस बंगले में उनकी पत्नी अपने 22 वर्षीय बेटे नयन तिवारी के साथ रहती हैं।

रानी इस बंगले पर अपनी मौसी के संग काम करने आती थी। धीरे-धीरे रानी जब 13 साल की हो गई तो एक रोज नयन की मां ने रानी की मौसी से बात करके रानी को हमेशा के लिए अपने बंगले पर काम करने रख लिया। इसके बदले उन्होंने रानी की मौसी से वादा किया था कि वे रानी को बेटी की तरह पढ़ाएंगी और उसकी क्षमता से अधिक उससे घर का काम भी नहीं करवाएंगी।

रानी की मौसी को रानी की चिंता रहती थी। सो उन्हें लगा कि अगर रानी पढ़-लिख जाएगी तो शायद उसे उनकी तरह लोगों के झूठे बर्तन साफ करने के काम से छुटकारा मिल जाए इसलिए उन्होंने मालकिन की बात मानकर रानी को उन्हें सौंप दिया।

मां और रानी की मौसी के इस निर्णय से सबसे अधिक खुश नयन था। दरअसल रानी जब दस साल की हुई थी तभी से नयन की नजर रानी पर लग चुकी थी। लेकिन उस वक्त रानी अपनी मौसी के संग आती थी और मौसी अपनी मासूम बेटी का पूरा ध्यान रखती थी इसलिए नयन रानी के पास भी नहीं फटक पाता था।

अब रानी उसी के घर में दिन रात रहेगी यह जानकर नयन रानी के चारों तरफ अपना जाल बुनने लगा। दिन में उसे जब भी मौका मिलता वो रानी को अपना कोई न कोई काम बताकर कमरे में बुला लेता और काम करती रानी के शरीर के भूगोल को अपनी प्यासी नजरों से नापता रहता। नयन का मन तो होता कि रानी को आगे बढ़कर दबोच ले लेकिन अपनी मां के डर से वह इतनी हिम्मत नहीं कर पाता था। लेकिन उसे भरोसा था कि आखिर कभी न कभी तो रानी उसे अकेली मिलेगी।

साल भर पहले यही हुआ। एक रोज नयन की मां अपनी किसी सहेली के संग दोपहर में बाजार चली गई तो मौका देखकर नयन ने रानी को अपने कमरे में बुला लिया।

रानी जब उसके कमरे में आई तक नयन पलंग पर लेटा था।

जी भैया आपने बुलाया मुझे, रानी ने कमरे में आते हुए कहा।

हां बहुत सिर दर्द कर रहा है जरा दबा दे।

जी। कहते हुए रानी उसके सिरहाने खड़ी होकर सिर दबाने लगी तो वह बोला अरे इतनी क्या शर्माती है। पलंग पर बैठ जा और आराम से सिर दबा।

रानी सकुचाई तो नयन बोला तेरी शर्म ऐसे नहीं जाएगी। यह कहते हुए उसने रानी को अपने ऊपर खींच लिया और पागलों की तरह उसे प्यार करने लगा। यह देखकर रानी घबड़ा गई। उसने बचने की काफी कोशिश की लेकिन तेरह-चौदह साल की मासूम बाईस साल के युवक का मुकाबला नहीं कर सकी। जिससे कुछ ही देर में नयन ने उसे पूरी तरह से निर्वस्त्र कर उसके संग बलात्कार कर डाला और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दे डाली।

रानी डर के मारे चुप रही तो उसके बाद तो नयन आए दिन रानी के संग बलात्कार करने लगा। जब भी उसे मौका मिलता वो अपनी हवस पूरी किए बिना नहीं मानता। और तो और कई बार तो वह रात में चुपचाप उठकर रानी के कमरे में पहुंच जाता और बलात्कार कर चुपचाप वापस अपने बिस्तर में आ जाता था। रानी के दिन रात होने वाले यौन शोषण का नतीजा यह हुआ कि वो गर्भवती हो गई।

रानी की मौसी बीच-बीच में नयन के घर आकर रानी के हाल चाल लेती रहती थी। संयोग से इसी दौरान जब अगस्त में रानी से मिलने आईं तो उसका निकला हुआ पेट देखकर सब समझ गई। उन्होंने रानी से पूछा तो रानी ने बता दिया कि नयन उसके साथ डरा धमका कर साल भर से बलात्कार कर रहा है। इस पर रानी की मौसी ने बबाल मचा दिया तो परिवार ने उसे 600 रुपए देकर रानी को गर्भपात की दवाई खिलाने का बोलकर रानी को उनके साथ भेज दिया।

लेकिन रानी की मौसी उसे लेकर थाने पहुंच गई जहां आरोपी के प्रभाव के चलते उसकी नहीं सुनी गई। लेकिन संयोग से जब रानी थाने पहुंची तब वहां अपनी समस्या लेकर एक ऐसी युवती भी आई हुई थी जो खुद बचपन में दूसरों के घरों में काम करते हुए मालिकों की हवस का शिकार बनी थी। मजबूरियों के चलते उस युवती ने अपने मालिकों की वासना को अपने मासूम जिस्म पर चुपचाप झेला था इसलिए रानी को देखकर उसका मन पसीज गया। वह उस समय तो रानी की कोई मदद नहीं कर सकी लेकिन जब उसे पता चला कि पीड़ित रानी को गर्भपात करवाने के लिए मुंबई भेज दिया गया है तो उसने जानकारी जुटाकर इस बात की शिकायत इंदौर चाईल्ड लाईन को कर दी। जिससे इंदौर चाईल्ड लाइन ने मुंबई चाईल्ड लाइन की मदद से न केवल रानी को सुरक्षित इंदौर वापस बुलवा लिया बल्कि अदालत में उसके 164 के बयान भी करवा दिए जिसके चलते पुलिस ने नयन तिवारी को बलात्कार एवं पॉस्को एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

इसलिए महसूस कर सकी दर्द

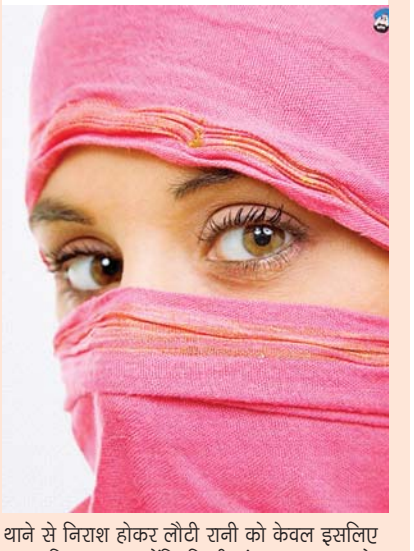

थाने से निराश होकर लौटी रानी को केवल इसलिए न्याय मिल सका क्योंकि किसी अंजान मददगार ने इस बात की जानकारी इंदौर चाईल्ड लाइन को दे दी थी। बताया जाता है कि जिस युवती ने चाईल्ड लाइन को खबर दी थी वो उस वक्त थाने में मौजूद थी जब रानी अपनी मौसी के संग न्याय मांगने गई थी। चर्चा है कि वो खुद भी बचपन में मालिकों की हवस का शिकार बन चुकी थी इसलिए उसने रानी का दर्द समझते हुए यह कदम उठाया था।

...पृष्ठ 3 का शेष

फिर सवाल किया तुमने। अच्छा तुम रहने दो पूजा मुझसे पूछेगी तो बता दूंगी कि संजू आया था और शर्त पूरी कर गया। तुम पूजा से ही मिल लेना।

अरे तुम तो नाराज हो गई मैंने तो ऐसे ही पूछ लिया। अन्नू का नाराज होते देख संजू डर गया उसे लगा कि जरा सी बात पर इतनी खूबसूरत लड़की के साथ मस्ती का मौका हाथ से निकल जाएगा।

नहीं तुम सवाल बहुत करते हो, ऐसे मर्द मुझे पसंद नहीं। अरे काम मर्दों वाला है इसलिए तो तुम्हें कहा है क्योंकि पूजा कह रहीं थी कि तुम्हारे जैसा मर्द उसने अब तक नहीं देखा। इसलिए मैंने सोचा कि जब ऐसी बात है तो क्यों न तुम्हारी मर्दागनी का कुछ लाभ उठाया जाए।

एक खबूसूरत लड़की के मुंह से एक बेमिसाल मर्द के तौर पर अपनी तारीफ सुनकर संजू का खून उबल पड़ा उसने तुरंत कहा कि बताओ यह बंदा तुम्हें हासिल करने के लिए आग में कूदने राजी है। जलाऊंगी तो मैं तुम्हें अपनी आग में पर पहले यह काम कर दो। और हां काम सुन लो उज्जैन में एक आदमी तुम्हें चार पिस्टल और कुछ कारतूस देगा उन्हें सावधानी से जोधपुर पहुंचा देना। तुम पहली बार जा रहे हो इसलिए कोई तुम पर शक नहीं करेगा।

काम गैरकानूनी है यह जानते हुए भी अन्नू को हासिल करने की चाहत में संजू उसके कहे अनुसार 21 मार्च की सुबह-सुबह उज्जैन रेलवे स्टेशन के पास बने चामुण्डा मंदिर के पास आकर खड़ा हो गया। जहां थोड़ी देर बाद दो युवकों ने उसके पास आकर एक बैग देते हुए कहा कि जोधपुर पहुंचने पर एक आदमी बस स्टैंड पर तुम्हारे पास आकर यह सामान ले लेगा।

संजू को डर तो लग रहा था लेकिन उसे भरोसा था कि वह आसानी से यह काम निपटाकर कल अन्नू से मिलने जाएगा।

लेकिन इसी बीच चप्पे-चप्पे पर तैनात जावरा एसपी के मुखबिरों में से एक को इसकी भनक लग गई जिसके चलते जावरा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 2 का शेष

दीवाल पर मारकर तोड़ दिया। बेटी की इस हरकत से पिता समझ गए कि पानी सिर से ऊपर हो चुका है। इसलिए उन्होंने जल्द से जल्द बेटी की शादी करने की तैयारी शुरू कर दी।

इसकी जानकारी लगने पर सेजल ने अपने प्रेमी को इस बात की जानकारी दी जिससे प्रेमी के परिवार वालों ने लोकेश के सामने दोनों की शादी का प्रस्ताव भी रखा। चूंकि प्रेमी भी सेजल की समाज का था इसलिए देखा जाए तो इस शादी से लोकेश को ऐतराज नहीं होना चाहिए था लेकिन बेटी के प्रेमी का परिवार आर्थिक हैसियत में लोकेश के परिवार से कमजोर था इसलिए गरीब परिवार में बेटी की शादी करने लोकेश तैयार न था। इसलिए एक तरफ जहां लोकेश बेटी के लिए लड़का खोज रहा था वहीं बेटी अपने प्रेमी के साथ जिंदगी बिताने की शतरंज जमा रही थी।

इसी बीच घटना दिनांक 26 मार्च को लोकेश ने बेटी के पास फिर एक फोन देख लिया जिससे वह अपने प्रेमी से बात कर रही थी। इसलिए उसने ठान लिया कि वह किसी भी हालत में अपनी इज्जत नीलाम नहीं होने देगा। इसलिए योजना बनाकर उसी दिन शाम को वह सेजल को लेकर गांव के बाहर अपने खेत पर पहुंचा। खेत पर सेजल के दादा-दादी रहते थे जिन्हें सेजल के प्रेम प्रसंग की जानकारी थी।

खेत पर ले जाकर लोकेश ने सेजल से उसका फोन मांगा। इस पर सेजल ने अपने पास कोई फोन होने से मना किया। लेकिन लोकेश जानता था कि सेजल ने फोन अपने कुर्ते के गले में छुपा रखा है। इसलिए उसने बार-बार सेजल से कहा कि वो चुपचाप फोन निकाल कर दे दे। लेकिन जिद्दी सेजल अपनी बात पर अड़ी रही।

लोकेश बेटी के कुर्ते में हाथ नहीं डालना चाहता था इसलिए वह घंटे भर से भी अधिक समय तक बेटी से फोन देने की बात करता रहा लेकिन सेजल नहीं झुकी उल्टे उसने कह दिया कि दुनिया इधर से उधर हो जाए न तो वह फोन देगी और न ही अपने प्रेमी के अलावा किसी दूसरे युवक से शादी करेगी।

सेजल की यह बात सुनकर लोकेश गुस्से से लाल हो गया उसने तुरंत अपने गले पर पड़ा गमझा निकाल सेजल के गले में लपेट कर कस दिया जिससे कुछ देर तड़पने के बाद उसकी मौत हो गई।

बेटी की मौत के बाद उसने यह बात खेत पर मौजूद अपने पिता विष्णु प्रसाद को बताई तो उन्होंने चुपचाप लाश को ठिकाने लगाने की बात कही। इसके बाद पिता-पुत्र ने सेजल के शव को बोरे में भरकर रख दिया। जिसके बाद रात का अंधेरा होने पर लोकेश और विष्णु ने सेजल का शव ले जाकर रेलवे पुल से नदी में फेंक दिया और घर आकर पत्नी को सेजल के देवास भेज देने की बात बता दी।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

टूटे दिल का कारनामा

ताइवान में एक दिलजले से ब्रेकअप के बाद अपनी प्रेमिका को वापस हासिल करने के लिए उसके पिता का अस्थि कलश चोरी कर उसके बदले वापस जिंदगी में आने की मांग कर पूरी समाज को चौंका दिया है।

जब प्रेम संबंध टूटते हैं, तो अक्सर दिल दुखता है। लेकिन जब मन टूटता है, तो नैतिकता भी बिखर सकती है। ताइवान में घटित एक हालिया मामला इस वाक्य को भयावह रूप से चरितार्थ करता है। एक ऐसा मामला जिसमें एक व्यक्ति ने न केवल अपने टूटे हुए प्रेम को जुनून में बदल दिया, बल्कि उस जुनून में वह एक ऐसे अपराध तक पहुंच गया जिसे समाज ने 'नैतिक पतन की पराकाष्ठा' कहा है।

ताइवान के ताओयुआन इलाके में एक 57 वर्षीय व्यक्ति लू एक चिकन फार्म चलाता था। उसका रिश्ता तांग नाम की महिला के साथ 15 वर्षों तक चला। दोनों ने शादी नहीं की, लेकिन एक गहरे भावनात्मक बंधन में बंधे रहे। लेकिन साल 2023 में जब लू का व्यवसाय डूबने लगा, कर्ज बढ़ने लगा और जीवन अस्त-व्यस्त होने लगा, तब तांग ने इस रिश्ते से बाहर निकलने का निर्णय किया। यह फैसला लू के लिए सिर्फ एक ब्रेकअप नहीं था, बल्कि उसके पूरे अस्तित्व पर सवाल था।

रिश्ता टूटने के बाद लू ने पहले तांग से संपर्क साधने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। इसके बाद उसने एक ऐसा कदम उठाया जिसकी कल्पना भी किसी सामान्य प्रेम-वियोग में नहीं की जाती। उसने तांग के दिवंगत पिता की अस्थियां चुराने की योजना बनाई। तांग के पिता की अस्थियां वुझी माउंटेन स्थित सैन्य कब्रिस्तान में रखी थीं। लू ने पहले वहां जाकर निरीक्षण किया और फिर अगस्त 2023 में अस्थि कलश और स्मृति-पट्टिका चुरा ली।

प्रेमी द्वारा चुराया गया प्रेमिका के पिता का अस्थि कलश।

इस वारदात के महीनों बाद तक तांग को कोई जानकारी नहीं थी। दिसंबर 2023 में लू ने तांग के घर के बाहर उसके पिता की तस्वीर रख छोड़ी। इसके बाद फरवरी 2024 वेलेंटाइन डे से ठीक पहले, तांग को एक पत्र मिला। जिसमें अस्थि कलश की तस्वीर थी और एक धमकी भरा संदेश - अगर तुम वापस नहीं आईं, तो अपने पिता को फिर कभी नहीं देख पाओगी। यह शब्द सिर्फ धमकी नहीं थे, बल्कि एक मृत आत्मा की स्मृति को बंधक बनाकर एक जीवित बेटी को तोड़ने की कोशिश थी।

इस पत्र के मिलते ही तांग ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और आखिरकार 28 मार्च 2024 को लू के चिकन फार्म से अस्थि कलश बरामद कर लिया गया। अस्थियां अब वापस सैन्य कब्रिस्तान में स्थापित कर दी गई हैं। लू के खिलाफ तीन मुख्य आरोप दर्ज किए गए, जिनमें मृतक की अस्थियों की चोरी करने, भावनात्मक ब्लैकमेलिंग और सार्वजनिक संपत्ति (कब्रगाह) को नुकसान पहुंचाना शामिल है।

ताइवान की इस घटना ने एक बार फिर साबित किया कि भावनाएं अगर संतुलन खो दें, तो वे सिर्फ आंसू नहीं बहातीं - वे इतिहास पर धब्बा छोड़ सकती हैं।

मोहाली

आखिरी सांस तक जेल में रहेगा चर्च में चमत्कार की आड़ में यौन शोषण करने वाला पास्टर बजिंदर सिंह

उसके इरादे शैतानी थे मगर वो खुद को ईश्वर का सेवक बताता था। उसने आस्था का दोहन कर कई युवतियों का शोषण किया। लेकिन पास्टर बजिंदर सिंह के पाप का घड़ा भी आखिर भर की गया।

दुष्कर्म मामले में दोषी पास्टर बजिंदर।

बाबाजी के पाप का घड़ा

खुद को गॉड का दूत बताकर अपना नाम येशु-येशु बाबा के तौर पर चर्चित करवाने वाले पास्टर बजिंदर सिंह ने 11 मार्च के रोज मोहाली की जिला अदालत में पेश होते समय सपने में भी नहीं सोचा होगा कि आज के बाद वह सूर्योदय और सूर्यास्त को केवल जेल की सलाखों के पीछे से ही देख पाएगा।

दरअसल इस तथाकथित चमत्कारी बाबा के खिलाफ 7 साल पहले 2018 में एक नाबालिग किशोरी ने बलात्कार का मामला दर्ज करवाया था। बाबा ने चमत्कार के नाम से किशोरी की विदेश जाने की इच्छा पूरी करने के नाम पर उसके साथ दुराचार किया और अपने पाप का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी किया था।

सुनवाई के 7 साल बाद अदालत ने एक मार्च को बाबा को दोषी मानते हुए उसके पांच साथियों को दोषमुक्त करने के बाद 11 मार्च को पास्टर बजिंदर सिंह को आखिरी सांस तक जेल में रहने की सजा सुनाई। हर फैसले के बाद एक पक्ष संतुष्ट तो दूसरा असंतुष्ट होता ही है सो इस मामले में भी यही हुआ लेकिन पूरा मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया।

15 साल पहले हत्या के आरोप में जेल गया बजिंदर, बजिंदर सिंह जाट था लेकिन जब बाहर आया तो ईसाई बन चुका था। इसके बाद उसने चर्च ऑफ ग्लोरी एण्ड बिस्डम नाम से अपनी मिनिस्ट्री खोली और चर्च में घूम-घूम कर चमत्कार के नाम पर सुंदर युवतियों का शोषण करने लगा। बजिंदर दावा करता था कि अपनी चमत्कारी शक्तियों से लोगों की असाध्य बीमारी ठीक कर सकता है।

10 सितंबर 1982 को हरियाणा के यमुनानगर में रहने वाले एक जाट परिवार में बजिंदर का जन्म हुआ था। बचपन से तिकड़मी प्रवृति के बजिंदर को जवानी के पहली पायदान पर ही हत्या के एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया जहां से 2012 में जब वह वापस बाहर आया तो ईसाई बन कर धार्मिक उपदेश देने के साथ ही लोगों को ईशु की राह पर चलने के लिए प्रेरित करने लगा।

फिल्म कलाकारों के साथ बजिंदर बाबा।

उसने ताजपुर में एक चर्च खोलकर हर रविवार को प्रार्थना का आयोजन करने के कुछ ही समय के बाद खुद को चमत्कारी बताना शुरू कर दिया। जिसके बाद लोग उसे येशु-येशु बाबा कहकर बुलाने लगे और अपनी मनोकामना पूरी करवाने से लेकर बीमारियां दूर करवाने के लिए आने वाले भक्तों की भीड़ लगना शुरू हो गई। इसका फायदा उठाकर इसने चर्च ऑफ ग्लोरी एण्ड बिस्डम मिनिस्ट्री की स्थापना कर देश भर में इस मिनिस्ट्री के चर्च खोलना शुरू कर दिए। आज इस मिनिस्ट्री के देश में 260 और विदेशों में लगभग दो दर्जन चर्च संचालित हो रहे हैं।

कौन है बजिंदर सिंह

बजिंदर सिंह का जन्म हरियाणा के यमुनानगर में हुआ था। उनका परिवार हिंदू जाट था, लेकिन उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव तब आया जब वो जेल गया। जेल में ही उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया। इसके बाद उसने चर्च में पादरी का काम शुरू कर दिया। फिर साल 2016 में उसने अपना चर्च खोला। इसका नाम चर्च ऑफ ग्लोरी एंड विजडम रखा। उसने दावा किया कि वो अपनी प्रार्थनाओं से लोगों को ठीक कर सकता है। वो ये भी कहता थे कि वो लोगों की इच्छाएं पूरी कर सकता है।

जल्द ही बजिंदर सिंह के चमत्कारों के दावे के कारण उसकी सभा में हजारों लोग जुड़ने लगे जहां यह बीमार लोगों के सिर पर हाथ रखकर उनके अंदर शक्तिपात करता जिससे भक्त गिरकर जमीन पर लौटने लगता और कुछ देर बाद उठकर बीमारी से मुक्त होने की घोषणा करता तो लोग येशु-येशु बाबा की जयजय कार करने लगते। बाबा के भक्तों की भीड़ में सुंदर युवतियां भी होती थी जिनका बाबा विशेष ध्यान रखता था।

जिसके चलते बाबा की नजर एक रोज एक बेहद खूबसूरत नाबालिग किशोरी पर पड़ी। बाबा ने उसे अपने पास बुलाकर उसकी विदेश जाने की इच्छा जानकर उसे आर्शीवाद देते हुए कहा कि वो जल्द ही उसकी इच्छा पूरी करेंगे। इसके बाद उन्होंने उस किशोरी का मोबाइल नंबर ले लिया।

बाबा की बात सुनकर किशोरी खुश हो गई फिर अगले दिन से उसके मोबाइल बाबा के आशीर्वाद के मैसेज आने लगे। फिर एक रोज बाबा ने उसे अपनी केबिन में अकेले बुलाकर काफी देर तक बात कर उसे अपनी प्रिय शिष्या घोषित कर दिया। जिसके बाद अगले की दिन से किशोरी के मोबाइल पर बाबा की तरफ से अश्लील मैसेज आने लगे। किशोरी ने डर के कारण यह बात परिवार में भी नहीं बताई जिससे समय के साथ बाबा के मैसेज लगातार और भी अश्लील होते गए और 2018 में बाबा ने एक रोज उसे मोहाली के सेक्टर 63 स्थित अपने बंगले पर अकेले बुलाया जहां उसे विदेश भेजने के लिए शक्तिपात के नाम पर पहले निर्वस्त्र होने का मजबूर कर दिया फिर उसके साथ जबरन बलात्कार करते हुए उसकी मोबाइल में रिकार्डिंग भी कर ली।

पास्टर बजिंदर सिंह ने अपने हिसाब से किशोरी को भरपूर धमकी दी कि वह इस बारे में किसी के सामने मुंह न खोले वर्ना उसका पूरा परिवार नष्ट हो जाएगा। लेकिन किशोरी डरी नहीं जिसके चलते इस घटना के बाद जीकरपुर थाने में बजिंदर सिंह और उसके छह साथियों, पादरी जतिंदर सिंह, अकबर भट्टी, राजेश चौधरी, सितार अली और संदीप पहलवान एवं सुच्चा सिंह के खिलाफ बलात्कार और पॉक्सो एक्ट सहित अनेक धाराओं में मामला दर्ज करने के बाद बजिंदर सिंह को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह इंग्लैण्ड जाने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा था। बजिंदर के समर्थकों ने उसकी गिरफ्तारी पर काफी बबाल किया और मामले को बाबा के खिलाफ साजिश बताया। कुछ महीने जेल में रहने के बाद बाबा बाहर आकर फिर चमत्कार की दुकान चलाने लगा।

शक्तिपात द्वारा उपचार का ढोंग करता बजिंदर।

धीरे-धीरे सात साल बीत गए। लोग बजिंदर सिंह के खिलाफ चल रहे बलात्कार के मामले का लगभग भूल चुके थे लेकिन 1 मार्च को मामला एक फिर उस समय सुर्खियों में आ गया जब मोहाली की कोर्ट ने बाबा को बलात्कार का दोषी ठहराया जबकि पांच अन्य को बरी कर दिया गया। शेष एक सुच्चा सिंह की सुनवाई के दौरान ही मृत्यु हो चुकी है।

कॉलेज तक करता था युवती का पीछा

बजिंदर सिंह पर हाल ही में कपूरथला में एक और महिला के यौन उत्पीड़न का केस दर्ज हुआ है। महिला ने पुलिस से कहा था कि ताजपुर गांव में द चर्च ऑफ ग्लोरी एंड विजडम के पादरी बजिंदर सिंह ने जालंधर में उसके साथ गलत हरकतें कीं। बजिंदर सिंह ने उसका फोन नंबर लेकर अश्लील मैसेज भेजने शुरू कर दिए। उसे चर्च में अकेले केबिन में बैठाना शुरू कर दिया। 2022 में बजिंदर सिंह उसे एक केबिन में ले गया, उसे गलत तरीके से छुआ और गले लगाया और फिजीकल होने की मांग की। युवती ने यह भी बताया कि कॉलेज जाते समय बाबा उसका पीछा करता है। इस मामले में पुलिस ने 28 फरवरी को बाबा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

महिला के संग की मारपीट

बजिंदर के खिलाफ दूसरा मामला महिला से मारपीट का है। इसका खुलासा 16 मार्च को वीडियो सामने आने के बाद हुआ। वीडियो में बजिंदर सिंह एक महिला को थप्पड़ मारता दिख रहा है। जिस 40 साल की महिला के साथ मारपीट हुई, वह मोहाली की रहने वाली थी। वह करीब 13-14 सालों से पादरी के पास काम करती थी।

11 मार्च को सजा सुनाए जाने का दिन तय किया गया था। इस दौरान बाबा द्वारा खड़ी की गई वकीलों की फौज ने उसे सामाजिक व्यक्ति बताते हुए सजा में नरमी बरते जाने की अपील की जबकि अभियोजन पक्ष की तरफ से पैरवी कर रहे वकील ने धर्म के नाम पर पाखंड फैलाकर मासूम बच्चियों को अपनी वासना का शिकार बनाने वाले बजिंदर सिंह को कठोर सजा दिए जाने की मांग की जिसके चलते अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश विक्रांत कुमार की अदालत ने बजिंदर सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाने के लिए सजा) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आखिरी सांस तक कारावास की सजा और 1 लाख रुपए के अर्थ दंण्ड की सजा सुनाई जिसके बाद 42 वर्षीय पादरी को पटियाला जेल ले जाया गया ।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।